

प्रेषक,

आर मीनाक्षी सुन्दरम,
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण
जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट देहरादून।

नागरिक उड्डयन अनुभाग

देहरादून दिनांक 19 सितम्बर, 2016

विषय:- हल्द्वानी जनपद नैनीताल में हैलीड्रोम निर्माण हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति।
महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर परियोजना प्रबन्धक उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि०, हल्द्वानी नैनीताल के पत्र संख्या-506 दिनांक 03 सितम्बर, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद नैनीताल के हल्द्वानी में हैलीड्रोम निर्माण हेतु द्वारा गठित आंगणन रु० 268.24 लाख पर टी०ए०सी० (वित्त विभाग) द्वारा परिक्षणोपरान्त रु० 221.95 तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत कार्यों की लागत रु० 46.24 लाख इस प्रकार कुल रु० 268.19 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2012-13 में शासनादेश संख्या 80/IX/2013 दिनांक 29.03.2013 द्वारा धनराशि रु० 150.00 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2015-16 में शासनादेश संख्या 28/2016/43/IX/2016 दिनांक 29.02.2016 द्वारा पुनर्विनियोग के माध्यम से 1.00 करोड़, इस प्रकार गठित आंगणन धनराशि रु० 268.19 लाख के सापेक्ष कार्यदायी संस्था को वर्तमान तक धनराशि रु० 250.00 लाख द्वारा अवमुक्त किया गया है, शेष धनराशि रु० 18.19 लाख (अट्ठारह लाख लाख उन्नीस हजार रु० मात्र) की धनराशि आपके निर्वतन पर रखते हुए निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किय जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधिन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

2- निदेशक राजकीय नागरिक उड्डयन निदेशालय द्वारा उक्त धनराशि राजकोष से आहरित कर यूकाडा के खाते में जमा करायी जायेगी जिसे रेखांकित चैक अथवा बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम देहरादून को उपलब्ध कराया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2017 से पूर्व प्रत्येक दशा में कर लिया जाय।

4- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

5- निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोन प्रचेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय।

6- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल से भली भांति निरीक्षण अवश्यक व रा लिया जाय। तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य किया जाय।

7- डी0जी0सी0ए0 एवं एयरपोर्ट ऑथोरिटी तथा सम्बन्धित विभागों से अनुमोदन/ अनापत्ति प्राप्त कर जी जाय।

8- कार्य व निर्माण के संबंध में वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 05 अप्रैल, 2004 का अनुपालन किया जायेगा।

9- इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन प- पूँजीगत परियोजना-02-विमानपत्तन- आयोजनागत-800-अन्य व्यय-08-हैलीपैड एवं हैंगर का निर्माण कार्य-24-वृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 847/XXXvi/(1)/2016 दिनांक 26 सितम्बर 2016 में जारी दिशा निर्देश/सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर मिनाक्षी सुन्दरम)
सचिव।

संख्या-2481/2016/01/ix/2013,टी0सी0 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, नागरिक उड्डयन निदेशालय जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. मह लेखाकार (आईट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
3. मह लेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड ओबेराय, मोटर्स, बिल्डिंग माजरा देहरादून।
4. आरका, कुमांड मण्डल नैनीताल।
5. सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन।
6. जिमाधिकारी, नैनीताल।
7. मुख्य कोषाधिकारी/साईबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
8. परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण नि0 लि0 देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. एन आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
11. गार भण्डार

आज्ञा से,

(डा0आर0राजेश कुमार)
अपर सचिव।